वनपाल प्रशिक्षणार्थियों द्वारा शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के प्रायोगिक क्षेत्रों का अध्ययन भ्रमण दिनांक 13.7.2016

दिनांक 13.7.2016 को मरू वन प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर के 69 वनपाल प्रशिक्षणार्थियों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर के प्रायोगिक क्षेत्रों का अध्ययन भ्रमण कर विभिन्न प्रजातियों से संबंधित शोध कार्यो तथा शोध गतिविधियों की जानकारी हासिल की। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने भ्रमण पर आये वनपाल प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक क्षेत्रों में अलग-अलग प्रजातियों से संबंधित अनुसंधानों के लिए लगाये गये परीक्षणों (Trials) का अवलोकन करवाया तथा अनुसंधान गतिविधियों से संबंधित जानकारी तथा वानिकी विषयों एवं वानस्पतिक प्रजातियों की जानकारी, वनपाल प्रशिक्षणार्थियों को करवायी। श्री अनिल सिंह चौहान, अनुसंधान सहायक-द्वितीय ने प्रायोगिक क्षेत्र में लगाये गये नीम के प्रोवेनेन्स परीक्षण (Provenence Trial of Neem) तथा रोहिडा के प्रोजनी ट्रायल (*Tecomala undulata* Progeny Trials)के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी। वनपाल प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक क्षेत्र में लगाये गये हिंगोट के उत्तक संवर्धन से विकसित पौधों के परीक्षण (*Ballanites aegyptica* Tissue Culture Trial), गुगल के उत्तक संवर्धन से विकसित पौधों के परीक्षण (Commiphora wightii Tissue Culture Trial) , बबूल के प्रोवेनेन्स परीक्षण (*Acacia nilotica* Provenence Trial), तथा नीम संवर्धन (*Azadirachta indica* propagation)का भी अवलोकन करवाया गया।

तत्पश्चात् वनपाल प्रशिक्षणार्थियों को श्री चौधरी द्वारा पारिस्थितिकी प्रायोगिक क्षेत्र में स्थापित विभिन्न कृषि वानिकी मॉडल्स, कृषि वानिकी के प्रायोगिक ट्रायल , लाइसीमीटर, अपशिष्ट जल से वृक्षारोपण के लिए प्रगतिरत अनुसंधान वृक्षारोपण,, मिलिया डूबिया(*Melia dubia*) के प्रायोगिक क्षेत्र का अवलोकन कराया गया। पारिस्थितिक प्रभाग के श्री प्रेम राज नागौरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम ने अपशिष्ट जल से संबंधित लाइसीमीटर तथा वृक्षारोपण अनुसंधान कार्यो (Phytoremediation of soil for productivity enhancement during land disposal of effluent), से संबंधित जानकारी भ्रमण दल को करायी।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन श्रीमती भावना शर्मा, वैज्ञानिक-डी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीकी सहायक का सहयोग रहा।